Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J–7208

PAPER–III

Time : 2½ hours] **COMPARATIVE LITERATURE** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

COMPARATIVE LITERATURE

तुलनात्मक साहित्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Comparative literature does provide a methodology, a wider perspective and a more catholic attitude to study several literatures together, but if the Indian scholar feels obliged to concentrate on the various literatures within a geographical limit or literatures bound by certain cultural affinities, it is not necessarily because of any political or cultural isolationism. He is free to make European or African literatures, or Asian literatures a part of his scholarly universe provided he has the competence and the facilities. Indian literatures provide the natural basis of a comparative study, if only because it is his *own literature :* he understands it better than any other literature. Comparative Indian literature is not merely a search for a national literature counteracting literary chauvinism nor is it a search for a universal literature which is the professed aim of the study of comparative literature. What is more, comparative literature is not an exercise in discovering the abstract universals of literature. It must deal with literatures in their concreteness and hence the study of Indian literatures together is but a part of the comparative literary studies as an academic discipline. The future of comparative literature in this country will naturally be directed towards an intensive study of various Indian literatures in the main; but as long as it realizes that its texts and contexts are Indian, its methodology comparative, but its main subject is literature, it will serve the cause of Comparative Literature.

तुलनात्मक साहित्य एक पद्धति देता है। अनेक साहित्यों के अध्ययन के लिए एक व्यापक परिदृश्य और ज्यादा उदारता प्रदान करता है। मगर यदि भारतीय विद्वान किसी भौगोलिक अथवा सांस्कृतिक बन्धुत्त्व की सीमा के कारण कुछ विशेष साहित्यों पर एकाग्रता जमाना चाहता है, यह जरूरी नहीं कि ऐसा वह किसी राजनीतिक अथवा सांस्कृतिक एकाकीपन के कारण हो। वह यूरोपियन अथवा अफ्रीकी साहित्यों को अपने विद्वत्तापूर्ण विश्व का अंश बना सकता है यदि उसके पास सामर्थ्य और साधन हैं। भारत के साहित्य उसे प्राकृतिक आधार प्रदान करते हैं, केवल इस कारण से कि यह उसका अपना साहित्य है। वह उसे अन्य साहित्यों की अपेक्षा बेहतर समझता है। तुलनात्मक भारतीय साहित्य केवल ऐसे राष्ट्रीय साहित्य की तलाश नहीं है जो साहित्यिक उग्र राष्ट्रीयता का विरोधी हो और न ही ऐसे विश्व साहित्य की तलाश है जो कि तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन का घोषित उद्देश्य है। और तो और, तुलनात्मक अध्ययन साहित्य के अमूर्त व्यापकताओं के रहस्यों को जानने का अभ्यास नहीं है। साहित्यों को ठोसता से इसका सरोकार होना चाहिए और फलत: कुल मिलाकर यह भारतीय साहित्यों का अध्ययन है मगर अकादमिक अनुशासन के रूप में यह तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में आता है। इस देश में तुलनात्मक साहित्य के भविष्य की दिशा प्राकृतिक रूप से मुख्यतया विभिन्न भारतीय साहित्यों के गहन अध्ययन की ओर रहेगी। मगर जब तक यह समझता है कि मूल पाठ और प्रसंग भारतीय हैं, और इसकी पद्धति तुलनात्मक हैं, पर इस का मुख्य विषय साहित्य है, यह तुलनात्मक साहित्य के उद्देश्य की सेवा करेगा।

1. What perspective does the author suggest while framing a comparative literature methodology ?

तुलनात्मक साहित्य पद्धति को बनाने में गद्यांश के लेखक का परिदृश्य क्या है?

2. What are the obligations which the Indian scholar is bound to consider while studying comparative literature ?

तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में भारतीय विद्वान को किन कर्त्तव्यों के बारे में विचार कर लेना चाहिए।

3. How does the author define comparative Indian literature ?
तुलनात्मक भारतीय साहित्य को लेखक कैसे परिभाषित करता है?

4. How the future of comparative literature in India is envisaged ?
भारत में तुलनात्मक साहित्य के भविष्य को किस प्रकार से देखा जा रहा है?

5. How does the author build a case in support of comparative literature as a discipline.
तुलनात्मक साहित्य को एक अनुशासन के रूप में प्रस्तुत करते हुए इसका समर्थन कैसे किया है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. On what grounds does Baldenspenger reject thematological studies ?
बालडेमस्पेंजर किन कारणों से थीमैटोलोजीकल अध्ययन को अस्वीकार करता है?

7. Explain Aristotle's concept, 'Hamartia'.
अरस्तु की 'हमर्शिया' (Hamartia) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

8. How do the writers of literary history classify their chapters ?
साहित्य के इतिहास लेखक अपनी पुस्तक के अध्यायों का वर्गीकरण कैसे करते हैं?

9. Name any three scholars with their nationality who studied thematology as a discipline.
किन्हीं तीन विद्वानों का उनकी राष्ट्रिकता सहित, नाम लिखिए जिन्होंने थीमटोलोजी का एक अनुशासन के रूप में अध्ययन किया है?

10. What is a lyric ?
गीत क्या है ?

11. What is Ephrain's 'Lacoon' ?
एफरेन का 'लाकून' क्या है ?

12. How are myth and tradition related ?
मिथ और परम्परा का पारस्परिक सम्बन्ध क्या है?

13. What is a synchronic study ?
समक्रमिकता का अध्ययन (सिनक्रोनिक स्टडी) क्या है?

14. Differentiate 'influence' from 'analogy'.
प्रभाव (इन्फ्लूएंस) और सदृश्यमूलक (अनालोजी) में भेद कीजिए।

15. What is adaptation in translation ?
अनुवाद में अनुकूलनीयता (एडप्टेशन) क्या है?

16. Differentiate between 'paraphrase' and 'metaphrase'.
'पैराफरेज' और 'मेटाफरेज' में भेद कीजिए।

17. What is psychoanalytical criticism ?
मनोवैज्ञानिक आलोचना क्या है?

18. What is 'trend' in comparative literature ?
तुलनात्मक साहित्य में ट्रेंड क्या है?

19. Examine the terms, 'period' and 'age'.
'पीरियड' और 'एज' शब्दों का परीक्षण कीजिए।

20. Write a brief critical note on Surrealist Movement.
अतियथार्थवादी आन्दोलन पर संक्षिप्त समीक्षात्मक नोट लिखिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Define comparative literature and explain its scope in the Indian context.
तुलनात्मक साहित्य की परिभाषा दीजिए और भारतीय प्रसंग में उसके क्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

22. What are the problems that literary historians faced ?
साहित्य के इतिहास लेखक को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

23. Comment on the different classification of genres.
साहित्य की विधाओं के विभिन्न वर्गीकरण की व्याख्या कीजिए।

24. Critically analyse Reader response theory.
पाठक-उत्तर सिद्धान्त का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

25. What is the contribution of linguists towards the theory of translation ?
अनुवाद सिद्धान्त के लिए भाषा-विज्ञानी का क्या योगदान है?

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Comment on the contribution of different schools of comparative literature.

तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न स्कूलों के योगदान पर टिप्पणी कीजिए।

OR/अथवा

Critically analyse the relationship between comparative literary studies in India and Indian writing in English.

भारत में तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन और भारतीय अंग्रेजी लेखन के परस्पर सम्बन्ध का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

OR/अथवा

How would you read 'New Literatures in English', using comparative methodology ? Discuss with reference to two texts from two different nationalities.

आप 'अंग्रेजी के नये साहित्य' को तुलनात्मक पद्धति का उपयोग करते हुए कैसे पढेंगे ? दो भिन्न-भिन्न राष्ट्रियकता की दो कृतियों के प्रसंग में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

OR/अथवा

Discuss the significance of translation in the context of comparative literature studies in India.

भारत में तुलनात्मक अध्ययन के प्रसंग में अनुवाद के महत्व की चर्चा कीजिए।

OR/अथवा

Attempt a comparative thematic study of any two Indian novels written in two different languages.

भारत के किन्हीं दो उपन्यासों, जो भिन्न-भिन्न भाषा में लिखित हों, तुलनात्मक थीमेटिक अध्ययन को प्रस्तुत कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....